कमला गोइन्का फाउण्डेशन

परिवर्तित पता ः एफ/112, नाहर एंड सेठ इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, पी एंड जी प्लाजा के पास, चकाला रोड़, चकाला, अंधेरी (ईस्ट), मुंबई- 400099
दूरभाष ः 022 - 49741442 ई मेल ः mumbai@gogoindia.com वेब साइट ः www.kgfmumbai.com

'रत्नीदेवी गोइन्का वाग्देवी पुरस्कार'

उद्देश्य एंव नियमावली

कमला गोइन्का फाउण्डेशन के अध्यक्ष व प्रबन्ध न्यासी श्री श्यामसुन्दर गोइन्का ने अपनी भाभी श्रीमती रत्नीदेवी गोइन्का की स्मृति में महिला हिन्दी साहित्यकारों (गद्य, पद्य एवं आलोचना) को वर्ष **2004** से **'रत्नीदेवी गोइन्का वाग्देवी पुरस्कार'** से गत दस वर्षो में उनकी प्रकाशित पुस्तक व साहित्य में उनके समग्र योगदान के लिए द्विवार्षिक कालावधि में पुरस्कृत किया जाता है। महिला हिन्दी साहित्यकार को पुरस्कृत पुरस्कार राशि रू **51000/-** (इक्कावन हजार रूपये) नगद के साथ एक विशेष समरोह में शाल, श्रीफल, स्मृति-चिन्ह व पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।

रत्नीदेवी गोइन्का वाग्देवी पुरस्कार के नियम

1. यह पुरस्कार महिला हिन्दी साहित्यकार को गत दस वर्षों में लिखित व प्रकाशित पुस्तकों तक ही सीमित रहेगा। इससे पूर्व या बाद मे प्रकाशित पुस्तकें प्रविष्टि रूप में मान्य नहीं होगी। अवधि-पूर्व प्रकाशित पुस्तक का पुनर्संस्करण भी प्रविष्टि स्वरूप मान्य नहीं होगा।
2. रचना हिन्दी भाषा में किसी भी विधा - गद्य, पद्य एवं अन्य विधा, पर हो सकती है। विषय विवाद रहित एवं संविधान की धारणा के अनुरूप होना चाहिए।
3. यह पुरस्कार प्रतियोगिता अखिल भारतीय स्तर पर होगी।
4. 'रत्नीदेवी गोइन्का वाग्देवी पुरस्कार' प्रतियोगिता के लिए प्रेषित कृति की चार प्रतियों के साथ ही साहित्यकार को प्रस्ताव-पत्र, समग्र योगदान का विवरण तथा अपने पासपोर्ट आकार के दो फोटो भेजने होंगे। संपूर्ण दस्तावेजों के अभाव मे प्रविष्टियां अपूर्ण होने से अमान्य हो जायेगी।
5. केवल प्रकाशित पुस्तकें ही प्रेषित करें, पांडुलिपियां नहीं ।
6. प्रस्तावित पुस्तक के अलावा पुरस्कार के लिए रचनाकार के हिन्दी साहित्य में समग्र योगदान को भी आधार माना जायेगा ।
7. प्रविष्टि के साथ प्रेषित पुस्तक, उसकी मौलिक रचना हो, अनुवाद नहीं ।
8. साहित्येतर पुस्तकें एवं किसी विश्वविद्यालय अथवा शिक्षा संस्थान की किसी उपाधि (एम. फिल., पी-एच. डी., डी. लिट् आदि) के लिए प्रस्तुत किए गए शोध-प्रबंधों को पुरस्कार के लिए शामिल नहीं किया जायेगा ।
9. प्रविष्टि स्वरूप प्रेषित हिन्दी साहित्य (गद्य, पद्य एवं आलोचना) पुस्तक की पृष्ठ संख्या **80** या इससे ज्यादा हो।
10. जो प्रतियोगी पूर्व में इस प्रतियोगिता में भाग ले चुके हैं तथा उस समय अपनी पुस्तकें पुरस्कार के लिए भेज चुके हैं, अगर वे चाहें तो उसी पुस्तक के मूल्यांकन को इस बार की पुरस्कार प्रतियोगिता में शामिल किया जा सकता है। अतः उन्हें पुनः पुस्तकें भेजने की आवश्यकता नहीं है। यदि वे उस पुस्तक को पुनः मुल्यांकित या अन्य किसी कृति को मूल्यांकित करवाना चाहें तो उन पुस्तकों की चार प्रतियां भेजनी होगी। अन्यथा ऐसे प्रतियोगियों को प्रस्ताव पत्र, नवीनतम समग्र-योगदान का विवरण व नवीनतम दो फोटो ही भेजनी होगी।
11. जिन्हे कमला गोइन्का फाउण्डेशन एक बार पुरस्कृत/सम्मानित कर चुकी हैं वे दुबारा प्रतियोगिता में भाग न ले सकेंगे।
12. प्रस्ताव रचनाकार खुद रख सकती है या अन्य कोई व्यक्ति, संस्था, मुद्रक, समालोचक प्रकाशक या प्रशंसक भी लेखिका का प्रस्ताव भेज सकता है ।
13. पुरस्कार मरणोपरान्त नहीं दिया जायेगा । मगर यदि किसी रचनाकार का प्रस्ताव प्रस्तुत करने के बाद स्वर्गवास हो जाता है, तो उस पर विचार किया जा सकता है ।
14. मूल्यांकन, समीक्षा व अंतिम निर्णय का संपूर्ण अधिकार कमला गोइन्का न्यास व रत्नीदेवी गोइन्का वाग्देवी पुरस्कार समिति को होगा।
15. पुरस्कार के लिए भेजी गई पुस्तकों की प्रतियां लौटायी नहीं जायेंगी ।
16. प्रतियोगिता के प्रारूप और नियमों मे समय-समय पर आवश्यकतानुसार परिवर्तन करने का अधिकार कमला गोइन्का न्यास एवं पुरस्कार समिति को होगा।
17. पुरस्कार प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां भेजने की एक निश्चित तिथि न्यास द्वारा समाचार पत्रों मे घोषित की जायेगी। घोषित तिथि के पश्चात प्राप्त होनेवाली या अन्य दृष्टि से अपूर्ण प्रविष्टि को प्रतियोगिता में सम्मिलित नहीं किया जायेगा।
18. पुरस्कार के निर्णय की घोषणा समाचार-पत्रों में यथासमय की जायेगी तथा **'रत्नीदेवी गोइन्का वाग्देवी पुरस्कार'** पानेवाली साहित्यकार को अलग से सूचित किया जायेगा। इस विषय में पत्राचार या पूछताछ न करें।
19. किसी प्रविष्टि के डाक द्वारा पहुंचने में होनेवाले विलम्ब के लिए न्यास उत्तरदायी नहीं होगा।पुरस्कार समिति यदि चाहेगी, तो उस पर विचार कर सकती है ।
20. पुरस्कार प्रतियोगिता के आवेदिकाओं को प्रस्ताव-पत्र के साथ प्रमाणित करना होगा कि प्रतियोगिता के नियम उन्हें मान्य हैं तथा इन नियमों के अन्तर्गत न्यास द्वारा की गई घोषणा को वे स्वीकार करती हैं।
21. पुरस्कार के लिए चयनित साहित्यकार पुरस्कार वितरण समारोह में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर पुरस्कार ग्रहण करें। पुरस्कार एवं सम्मान सामग्री प्रतिनिधि को नहीं दी जायेगी, न ही डाक या कूरियर द्वारा भेजी जायेगी।

कमला गोइन्का फाउण्डेशन

परिवर्तित पता ः एफ/112, नाहर एंड सेठ इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, पी एंड जी प्लाजा के पास, चकाला रोड़, चकाला, अंधेरी (ईस्ट), मुंबई- 400099
दूरभाष ः 022 - 49741442 ई मेल ः mumbai@gogoindia.com वेब साइट ः www.kgfmumbai.com

'रत्नीदेवी गोइन्का वाग्देवी पुरस्कार'

प्रस्ताव - पत्र

प्रबन्ध न्यासी,
'रत्नीदेवी गोइन्का वाग्देवी पुरस्कार',
कमला गोइन्का फाउण्डेशन, मुंबई।

कृपया 'रत्नीदेवी गोइन्का वाग्देवी पुरस्कार' - 2018 हेतु मेरी कृति / कृतियां विचारार्थ स्वीकार करें ।

1 लेखिका का नाम और पता	ः नाम ----------
	ः घर ----------
	ः गांव ---------- जिला ः ----------
	ः शहर ---------- राज्य ः ---------- पिनकोड ः ----------
	ः फोन: घर: ---------- ऑफिस ः----------
	मोबाइल ः ---------- ई मेल ः ----------
	वेबसाइट/ब्लॉग ः ----------
2 जन्म तिथि	ः ---------- कुल आयु वर्ष ---------- ----------
3 शैक्षणिक योग्यता	ः ----------
4 वर्तमान व्यवसाय	ः ----------
5 साहित्यिक उपलब्धियां	ः ----------
6 अब तक की सभी प्रकाशित कृतियों की सूची	ः ----------
7 प्रतियोगिता के लिए प्रेषित कृतियों की सूची	ः ----------
8 पूर्व प्राप्त पुरस्कार का विवरण	ः ----------
9 समग्र योगदान सम्बंधित विवरण	ः ----------
10 विशेष	ः ----------

मैं प्रमाणित करती हूँ कि पुरस्कार प्रतियोगिता हेतु प्रेषित रचनाएँ मेरी मौलिक रचनाएँ हैं तथा किसी भी विश्वविद्यालय अथवा अन्य शिक्षा संस्थान की किसी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई हैं। प्रविष्टि में भेजी गयी पुस्तक का कोई भी अंश 'हास्यम्-व्यंग्यम्' पत्रिका में प्रकाशित करने में मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

पुरस्कार प्राप्त होने पर पुरस्कार वितरण समारोह में मैं व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहूँगी। इस संबंध में साहित्य पुरस्कार योजना के लिए कमला गोइन्का फाउण्डेशन द्वारा निर्धारित नियम मुझे मान्य है एवं समिति द्वारा लिया जानेवाला निर्णय मुझे मान्य होगा।

धन्यवाद।

दिनांक ः हस्ताक्षर

नोट ः

- निर्धारित तिथि 30 अप्रैल 2018 तक प्राप्त रचनाएं ही प्रतियोगिता के लिए योग्य समझी जायेगी।
- स्वयं की पासपोर्ट साइज की दो फोटो तथा प्रविष्टि स्वरूप प्रेषित कृति की चार चार प्रतियां भी प्रस्ताव पत्र के साथ भेजे।
  यदि कोई अन्य विशेष उपलब्धि हो तो, अलग से जानकारी